SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes

CLASS: 5 SUBJECT: हिंदी

Prepared By: Salma (Date:) LESSON-१२)वे दिन भी क्या दिन थे, व्याकरण-१२) विराम चिह्न

प्रश्न-१) शब्दार्थ मधुश्री पाठ्यपुस्तक से नोटबुक में लिखिए।

प्रश्न-२) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

क) पृष्ठ- पन्ना

वाक्य- किताब में बहुत सारे पृष्ठ होते हैं।

ख) उत्सुकता - जानने की इच्छा

वाक्य- कुम्मी के मन में किताबों की उत्सुकता जागी।

प्रश्न-३) खाली-स्थान भरिए-

क) कुम्मी के हाथ में आई **किताब** आज के ज़माने में छपी थी।

ख) **मशीनी** अध्यापक को बोर करने वाला अध्यापक कहा गया है।

ग) कुम्मी को **स्कूल** का काम उबाऊ लग रहा था।

प्रश्न-४) लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए-

१) पुस्तकें क्यों बेकार जाती होंगी? क्या सचमुच ऐसा होता है?

उत्तर- रोहित के अनुसार पुस्तक एक बार पढ़ने के बाद बेकार हो जाती होगी। ऐसा नहीं है। पुस्तकों में अक्षर छपे होते हैं, जिन्हें हम सँभालकर संग्रह करके रख सकते हैं और ज़रूरत पड़ने पर उन्हें उठाकर पढ़ सकते हैं।

२) लेख में स्कूलों के बारे में क्या कहा गया है?

उत्तर- स्कूलों में मशीनी अध्यापक की अपेक्षा स्त्री और पुरुष अध्यापक बनकर पढ़ाते हैं। वे बच्चों को सारे विषय पढ़ाते, गृहकार्य देते और प्रश्न पूछते थे। अध्यापक बच्चों के घर नहीं जाते थे, बल्कि बच्चे एक विशेष भवन में जाते थे, जिस स्कूल कहते थे।

३) बोर करने वाला अध्यापक किसे कहा गया है और क्यों?

उत्तर- मशीनी अध्यापक को बोर करने वाला अध्यापक कहा गया है क्योंकि मशीनी अध्यापक केवल तय की गई सीमा के अनुसार ही जानकारियाँ देता है।

४) कुम्मी स्कूल के बारे में क्या-क्या सोच रही थी?

उत्तर- कुम्मी सोच रही थी कि कितने अच्छे होते होंगे वे पुराने स्कूल जहाँ एक ही आयु के सारे बच्चे हँसते और खेलते-कूदते स्कूल जाते होंगे।

प्रश्न-५) दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर चार से पाँच वाक्यों में दीजिए-

१) 'वे दिन भी क्या दिन थे' में किन दिनों की बात की जा रही है और क्यों?

उत्तर-' वे दिन भी क्या दिन थे' पाठ में आज के समय की बात की जा रही है, जहाँ पढ़ने के लिए मशीनी अध्यापक की आवश्यकता नहीं है। यहाँ मानव रुपी अध्यापक ही हमें ज्ञान देता और परखता है।

२) दादा जी ने पुस्तक के विषय में क्या-क्या जानकारी दी?

उत्तर- दादाजी ने बताया कि पुस्तकों में पृष्ठ होते थे जिन पर कहानियाँ छपी होती थी और हर पृष्ठ पढ़ने के पश्चात दूसरा पृष्ठ पलट कर आगे पढ़ना होता था। पुस्तक के सारे शब्द स्थिर रहते थे, जिस प्रकार आजकल पर्दे पर चलते हैं।

३) 'कागज़ के पन्नों की किताब' और 'टेलीविज़न के परदे पर चलने वाली किताब' में से आप किस अच्छा मानते हैं और क्यों?

उत्तर- हम कागज़ के पन्नों की किताब को अच्छा मानते हैं क्योंकि उसे पढ़ने में आसानी होती है, उसके अक्षर पर्दे पर नहीं चलते और हम एक ही चीज़ को कई बार पढ़कर उसका आनंद ले सकते हैं।

४) किताब पढ़ने के लिए विद्यालय की व्यवस्था बनाई गई है, वहाँ किताब के अतिरिक्त और कौन-सी विशेष बातें आपके आकर्षण का केंद्र हैं? विस्तार से लिखिए ।

उत्तर- क) मित्रों के साथ मिल-जुलकर पढ़ना।

ख) पढ़ाई के अतिरिक्त विद्यालय में होने वाली गतिविधियाँ

ग) मित्रों के साथ खेलकूद में भागीदारी ।

प्रश्न-६) गतिविधि-' यदि विद्यालय न जाना पड़े' विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

व्याकरण पाठ- विराम चिह्न

परिभाषा- पढ़ते व लिखते समय वाक्यों में रुकने के लिए लगाए गए चिह्नों को विराम चिह्न कहते हैं।

मुख्य रूप से हिंदी भाषा के विराम चिह्न इस प्रकार हैं-

१) **पूर्ण विराम (।)** - वाक्य समाप्त होने पर यह चिह्न लगाया जाता है। जैसे- किसी गाँव में एक किसान रहता था।

२) **अल्पविराम (,)** – क) वाक्य पढ़ते व लिखते समय अगर बीच-बीच में थोड़ा रुकना पड़े तो यह चिह्न लगाया जाता है। जैसे- मुझे आम, लीची और संतरा पसंद हैं।

ख) हाँ या नहीं के बाद भी अल्पविराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे-नहीं, आज मैं कहीं नहीं जाऊँगा।

३) **प्रश्नवाचक चिह्न (?)** - प्रश्न पूछने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

जैसे- तुम कहाँ जा रहे हो?

४) विस्मयादिबोधक चिह्न (!) – जहाँ विस्मय के अलग-अलग भाव जैसे घृणा,शोक, आश्चर्य, खुशी आदि का बोध हो, वहाँ यह चिह्न लगाते हैं। जैसे- शाबाश! तुमने यह बहुत अच्छा काम किया।

५) **योजक चिह्न (-)** इस चिह्न का प्रयोग दो शब्दों को जोड़ने के लिए होता हैं।

जैसे= माता-पिता

६) उद्धरण चिह्न (‘ ’) (“ ”) – ये चिह्न दो प्रकार से प्रयोग में आते हैं-

क) इकहरे उद्धरण चिह्न **(‘ ’)** - किसी व्यक्ति, स्थान या भाव को किसी वाक्य के बीच में दर्शाने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे-रामधारी सिंह ‘दिनकर’

ख) दोहरे उद्धरण चिह्न (“ ”)- व्यक्ति के कथन को जब उसी के शब्दों में लिखना हो तो दोहरे चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे-शास्त्री जी ने कहा, “जय जवान जय किसान”

७) **लाघव चिह्न (०)**- इसका प्रयोग शब्दों को संक्षिप्त रूप में दिखाने के लिए किया जाता है। जैसे- पंडित के लिए - पं०

प्रश्न १) दिए गए वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए-

क) हाय_ मैं बर्बाद हो गया। (। / !)

ख) मेरी बेटी रामा फूल _सी नाजुक है। (। / -)

ग) मैं कक्षा पाँच में पढ़ता हूँ_ (! / ।)

SUB TEACHER HOD CO-ORDINATOR PRINCIPAL